महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला सम्पन्न

» हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

रायगढ़@किरणदूत

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर 2021 तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ0 रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो0 जयराम कुर्रे तथा प्रो0 दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया।

प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ0 आकांक्षा मिश्रा के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवयित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ0 पी सी घृतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हँसाया। आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो0 मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेढे ने अटकन-बटकन दही चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसगों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। प्रतिदिन छात्रा गायत्री डनसेना के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गीत अरपा पैरी के धार...प्रस्तुति उपरान्त प्रारम्भ होती कार्यशाला के पंचम दिवस, प्रो0 माग्रेट कुजूर एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य रामभजन पटेल ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान देते हुए क्रमशः छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति एवं स्वाध्याय आदि पर विशेष बल दिया। कार्यशाला के अंतिम दिवस, प्रसिद्ध कविद्वय गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब' व संजयकुमार पटेल ने छत्तीसगढ़ीकविताः रचना धर्मिता विषय पर बोलते हुए पूरे माहौल को छत्तीसगढ़ी गीतमय बना दिया। प्रति दिन कार्यशाला के अंत में छात्र धनुंजय जायसवाल के द्वारा संगीतमय छत्तीसगढ़ी गीत की प्रस्तुति की गई। समस्त वक्ता अतिथियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर आभार व्यक्त किया गया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 रमेश टण्डन के अध्यक्षीय उद्बोधन से प्रारम्भ कार्यशाला में सबसे पहले माँ शारदे की कांस्य प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन अतिथियों एवं विभागीय प्राध्यापकों के द्वारा प्रतिदिन किया गया तथा सत्र विवेचन व अतिथियों का आभार विभागीय प्राध्यापक जयराम कुर्रे एवं दिनेश संजय के द्वारा किया गया।

Khasia Breaking BLosT

7h •

छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन हेतु सप्ताहिक कार्यशाला

- एमजी कॉलेज में 22 से 27 नवंबर तक हो रहा आयोजन... See More

छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन के लिये साप्ताहिक कार्यशाला

एमजी कॉलेज में 22 से 27 नवंबर तक हो रहा आयोजन

खरसिया। 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस होने के उपलक्ष्य में सप्ताह भर पूर्व से छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद, शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में हिंदी विभाग के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 22 नवंबर से 27 नवंबर तक अलग-अलग विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए जाने हैं। कार्यशाला का संयोजन एवं अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के टंडन द्वारा की जा रही है। वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर मनोज साहू, डोकेे संजय के द्वारा विशेष सहयोग किया जा रहा है। संचालन अतिथि प्राध्यापक डॉ. आकांक्षा मिश्रा के द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला के प्रथम दिन सोमवार को छत्तीसगढ़ी भाषा का स्वरूप और व्याकरण विषय पर वक्ता के रूप में भरत लाल नायक एवं निर्भय गुप्ता, वहीं मंगलवार को छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भव विकास और व्याकरण विषय पर वक्ता के रूप में श्रीमती किरण शर्मा ने व्याख्यान दिया। बुधवार को आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परंपरा विषय पर गीतकार एवं हास्य व्यंग्यकार संजय बोहिदार का व्याख्यान हुआ। वहीं गुरुवार को छत्तीसगढ़ी लघुकथा हरिहर प्रसाद डेढ़े के द्वारा सुनाई जाएगी। क्रमशः शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के विषय में कार्यकर्त्री श्रीमती मार्गेट कुजूर का व्याख्यान होना है तथा शनिवार को छत्तीसगढ़ी कविता, क्षेत्र के प्रसिद्ध कवि गुलाब सिंह कंवर के द्वारा प्रस्तुत की जाएगी।

टिंग बुलाया गया सभी जिससे उनके परिजनों राजी कर लिया चलता है कि दाल में तो कुछ काला है

महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला सम्पन्न

हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

धमाका छत्तीस, खरसिया।

26 नवम्बर छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर 2021 तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ0 रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो0 जयराम कुर्रे तथा प्रो0 दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया। प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ0 आकांक्षा मिश्रा के मंच संचालन में

कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कार्यवाही किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ0 पी सी भूतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हँसाया। आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो0 मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेढ़े ने अटकन-चटकन दही चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। प्रतिदिन छात्रा गायत्री डनसेना के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गीत अरपा पैरी के धार....प्रस्तुति उपरान्त प्रारम्भ होती कार्यशाला के पंचम दिवस, प्रो0 माधेट कुजूर एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य रामभजन पटेल ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान देते हुए क्रमशः छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति एवं स्वाध्याय आदि पर विशेष बल दिया।

भाषा संवर्द्धन पर कार्यशाला का आयोजन

खरसिया. 28 नवम्बर छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तार महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया. परिषद प्रभारी डॉ. रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो. जयराम कुर्रे तथा प्रो. दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ. कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया. प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई. विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ. आकांक्षा मिश्रा के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवयित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया. प्राचार्य डॉ पीसी घृतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हंसाया. आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेढे ने अटकन-बटकन दही चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छ×ीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया. छत्तीसगढ़ भाषा साहित्य परिषद के छात्र पदाधिकारी गायत्री, दुर्गा, ट्विंकल, भारती कीर्तन, कौशिल्या सहित धनुंजय वैज्ञानिक, प्रियंका, शारदा, मुकेश प्रिया, संदीपा, श्वेता, अंजना नमिता आदि अनेक छात्र-छात्राओं के सहयोग से सम्पन्न इस कार्यशाला का लाभ एम ए हिन्दी के लगभग सभी छात्रों ने उठाया.

खरसिया कॉलेज में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला के दौरान उपस्थित अतिथि व अन्य।

हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

खरसिया. छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवंबर तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ. रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो. जयराम कुर्रे तथा प्रो. दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एमए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष संप्रेषित किया।

प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ. आकांक्षा मिश्रा के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवयित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. पीसी घृतलहरे के संरक्षण में संपन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हँसाया। आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेढ़े ने छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। प्रतिदिन छात्रा गायत्री डनसेना के द्वारा छत्तीसगढ़ी राज्य गीत का गायन किया।